KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization)

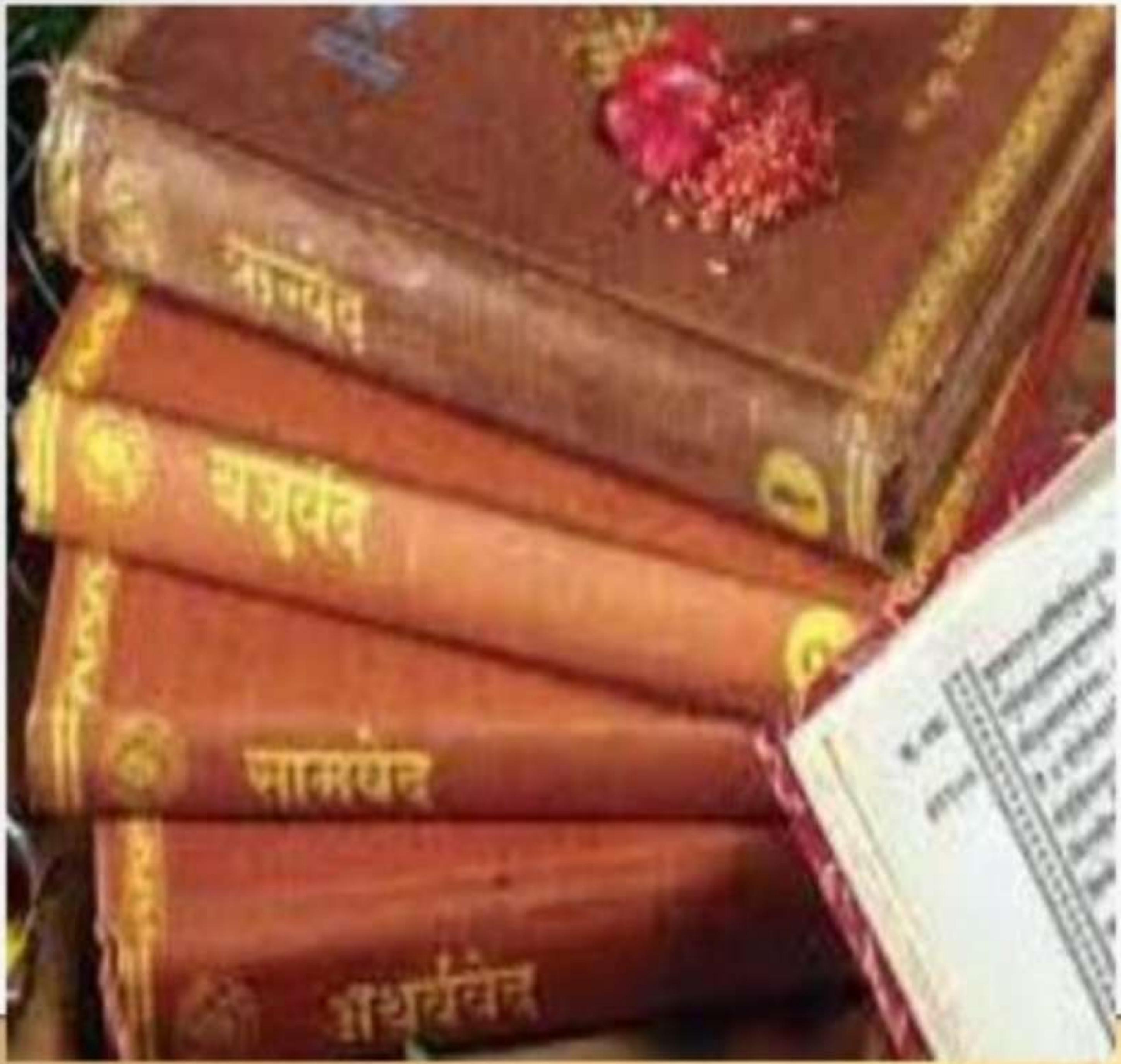

Later Vedic Age (उत्तर वैदिक काल)

- → Brahman (ब्राह्मण)
- → Aranyakas (आरण्यक)
- → Upanishad (उपनिषद)

} 1000 B.C. – 600 B.C.

- → Yajur Veda (यजुर्वेद)
- → Sama Veda (सामवेद)
- → Atharva " (अथर्ववेद)

} 1000 B.C. – 600 B.C.

Vedic Rivers (वैदिक नदियाँ)

- Total River- 31
- Rig Veda- 25
- 10 Mandal- 19
- पवित्र नदी – सरस्वती
- सबसे अधिक स्तुति – सिन्धु

उत्तर वैदिक काल (Later Vedic Period)

- **समय (Time)** :- 1000 B.C. — 600 B.C.
- **धर्म (Religion)**- Nature (प्रकृति) लेकिन यज्ञ को ज्यादा महत्व
- **देवता (God)**- Brahma (ब्रह्मा), Vishnu (विष्णु), Mahesh (महेश)
- **मोक्ष (Salvation)**- परिकल्पना
- **परिवार (Family)** → संयुक्त (combine)
- **पूजा (Prayer)** → यज्ञ पर अधिक ध्यान (Yajna → sacrifice - focus)
- **गोत्र व्यवस्था (Gotra)**- Yes. → एक ही गोत्र में शादी वर्जित था।
- **आश्रम व्यवस्था (Ashram)**- Yes.

आश्रम व्यवस्था (Ashram System) → उल्लेख पहली बार जबालोपनिषद में मिलता है।

सर्वाधिक प्रचलित

(1) ब्रह्मचर्य (Brahmacharya) — 5 year — 25 year Age.

(2) गृहस्थ (Grihastha) — 25 year — 50 year Age.

(3) वानप्रस्थ (Vanaparshatha) — 50 years - 75 years Age.

(4) संन्यासी (Sanyasi) — 50 years — 100 year (+)

उत्तर वैदिक काल (Later Vedic Period)

- स्त्रियों की दशा (condition of women) → गिरावट थी लेकिन फिर भी अच्छा था
- विवाह (marriage) → अनिवार्य
- बाल विवाह(Child Marriage) → अंतिम समय आ जाता
- बहु विवाह (Polygamy) → Yes
- विधवा विवाह (Widow Marriage) → Yes
- अंतर-वर्णीय विवाह (Inter cast Marriage) → Yes
- दहेज़ प्रथा (dowry System) → Yes
- नियोग प्रथा (Niyog System) → Yes
- सती प्रथा (Sati System) → No

* स्त्रियों को मैत्रायणी संहिता में तुलना जुआ और शराब जैसी खराब वस्तुओं से किया गया।

* स्त्रियों को उपनयन संस्कार का अधिकार - समाप्त

* ऐतरेय ब्राह्मण के अनुसार → "पुत्र परिवार का रक्षक और पुत्री दुखों का कारण है"

* Female Education:- Yes → लेकिन व्यक्त करने का अधिकार नही।
(स्त्री शिक्षा)

उदाहरण :- बृहदारण्यक उपनिषद :- इसमें गार्गी और याज्ञवल्क्य का संवाद है जिसमें गार्गी को चुप रहने का आदेश दिया जाता है।

उत्तर वैदिक काल (Later Vedic Period)

- जाति व्यवस्था (Caste System) → उपस्थित था लेकिन कठोर नहीं।
- आभूषण (Jewelery) → दोनो पहनते थे → निष्क (Nishka) → Gold (सोने)
- भोजन (Meal) → शाकाहारी (Veg.) & मांसाहारी (Non-Veg.)
- पर्दा प्रथा (Purdah System) → No.
- वर्ण व्यवस्था (Varna System) → Yes.

⇒ राजा का पद → वंशानुगत (Hereditary) हो गया था।
↳ राजा अब 'बलि' नामक कर वसूल करने लगा।
↳ बलि कर वसूली के लिए भागदुघ नामक अधिकारी की नियुक्ति हुयी।

Imp. **Vedic River (वैदिक नदियाँ)**

* Total – 31 River
  - Rig veda → 25 River (ऋग्वेद में 25 नदी)
    - 19 River → ऋग्वेद के 10वें मण्डल के नदी सूक्त में मिलती है।

1 ⇒ सर्वाधिक चर्चा :- Indus (सिंधु)

⇒ सबसे पवित्र नदी :- Saraswati (सरस्वती)

Name of Vedic River	Modern Name
✓ → वितास्ता (Vitasta)	→ झेलम (Jhelum)
✓ → परुष्णी (Parushni)	→ रावी (Ravi)
✓ → अस्कनी (Askani)	→ चेनाब (Chenab)
→ रेवा (Reva)	→ नर्मदा (Narmada)
→ सुतुद्री (Sutudri)	→ सतलज (Sutlej)

→ विपासा (Vipasa)	→ व्यास (Beas)
→ सदानीरा (Sadanira)	→ गंडक (Gandak)
→ कुम्भा (Kumbha)	→ काबुल (Kabul) } Afghanistan
→ क्रुमु (Krumu)	→ कुर्रम (Kurram) } Afghanistan
→ सिंधा (Sindha)	→ सिंधु (Indus)
→ उर्णावती (Urnavati)	→ " "
→ सुवास (Suvash)	→ " "
→ हिरण्या (Hiranya)	→ " "
	→ " "

Vedic Rivers (वेदांग)

- वेदाध्ययन में सहायक ग्रन्थों को वेदांग कहते हैं.
- Books helpful in studying Vedas are called Vedanga.
- वेदांग के प्रकार- छह
- Types of Vedanga – Six
- शिक्षा(Education) → वेदों की नासिका (Nose)
- कल्प (Kalpa) → " " हाथ
- व्याकरण (Grammar) → " " मुख (Mouth)
- निरुक्तं (Nirukta) → " " कान
- छंदस् (Verses) → " " पैर
- ज्योतिष (Astrology) → " " आँख

Education (शिक्षा)

- वेदों के स्वर, वर्ण आदि के शुद्ध उच्चारण करने की शिक्षा जिससे मिलती है, वह 'शिक्षा' है।
- प्राचीनतम साहित्य -प्रातिशाख्य
- The education which gives correct pronunciation of the vowels, letters etc. of the Vedas is 'Shiksha'.
- The oldest literature related to Vedic education is 'Pratishakhya'.

Kalpa Sutra (कल्प सूत्र)

- वैदिक साहित्य में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के कर्म – कांडों को कल्प सूत्र में लिखा गया है।
- Various types of rituals used in Vedic literature have been written in Kalpa Sutra.
- कल्प को ही सूत्र साहित्य कहा गया है
- Kalpa itself has been called sutra literature
- कुल भाग – 4
- Total parts – 4

1.धर्म सूत्र (Dharma Sutra)

- वैदिक समाज के सामाजिक नियम – कानून सूत्र रूप में मिलते हैं ।
- The social rules and laws of the Vedic society are found in the form of sutras.
- इसमें एक – एक पंक्ति में श्लोक मिलते हैं।
- In this, verses are found one by one.
- इसी धर्म सूत्र पर आगे स्मृति ग्रंथ लिखे गये।
- Further Smriti texts were written on this Dharma Sutra.

2.गृह्य सूत्र (Grihya Sutra)

- व्यक्ति और परिवार से संबंधित व्यक्तियों और कर्म – कांडों का उल्लेख है।
- Persons and rituals related to the individual and family are mentioned.

3.श्रौत सूत्र (Shrauta Sutra)

- इस सूत्र में संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिये विविध प्रकार के कर्मकांड दिये हुये हैं।
- In this sutra, various types of rituals are given for the welfare of the entire human race.

4.शुल्व सूत्र (Shulva Sutra)

- अर्थ -रस्सी ।
- Meaning- Rope.
- इसमें वैदिक यज्ञों के निर्माण की विधि (हवन कुण्ड) बताई गई है।
- In this, the method of making Vedic Yagyas (Havan Kund) has been explained.
- भारतीय ज्यामिति का प्राचीनतम ग्रंथ
- The oldest text of Indian Geometry.

व्याकरण (Grammar)

- वेदों में प्रयुक्त की गई संस्कृत – व्याकरण का सरलीकरण
- Simplification of Sanskrit grammar used in Vedas
- संबंधित ग्रंथ – पाणिनि का अष्टाध्यायी
- Related texts – Panini's Ashtadhyayi

ज्योतिष (Astrology)

- शुभ – अशुभ तथा वैदिक यज्ञों में कर्मकांडों के शुभ- अशुभ फलों के प्रभाव को जानने के लिये ग्रह नक्षत्रों का अध्ययन किया जाता है।
- Planetary constellations are studied to know the auspicious and inauspicious results of rituals performed in Vedic Yagyas.

- संबंधित ग्रंथ – लगध मुनि का वेदांग ज्योतिष।
- Related texts – Vedanga astrology of Lagadh Muni.

निरुक्त (Nirukta)

- वैदिक साहित्य में प्रयुक्त कठिन शब्दों की व्युत्पत्ति
- Etymology of difficult words used in Vedic literature
- संबंधित ग्रंथ – निगंठु
- Related texts – Niganthu

छंद (Verses)

- वैदिक साहित्य के मंत्रों के लिये प्रयुक्त किये गये विभिन्न छंदों का उल्लेख
- **Mention of various verses used for mantras in Vedic literature.**
- संबंधित ग्रंथ- पिंगलमुनि का छंद सूत्र।
- **Related texts-Chhanda Sutra of Pingalamuni.**

क्षेत्र	रचयिता/विकास
शिक्षा	पाणिनी, कात्यायन
व्याकरण	अष्टाध्यायी (पाणिनी)
निरुक्त	(निघण्टु) यास्क
ज्योतिष	लगध, आर्यभट्ट, वराहमिहिर
छन्द	पिंगल
कल्प	गौतम, बौधायन, आपस्तम्ब

स्मृतियाँ (Smriti)

- हिंदू धर्म के कानूनी ग्रंथ
- Hindu legal texts
- अधिकांशत: पद्य में लिखी
- written mostly in verse

प्रमुख स्मृतियाँ	रचना काल
मनुस्मृति	200 ई. पू. से 200 ई.
याज्ञवल्क्य स्मृति	100 ई. पू. से 300 ई.
नारद स्मृति	300 ई. पू. से 400 ई.
पाराशर स्मृति	300 ई. पू. से 500 ई.
बृहस्पति स्मृति	300 ई. पू. से 500 ई.
कात्यायन स्मृति	400 ई. पू. से 600 ई.
देवल स्मृति	पूर्व मध्यकाल

पुराण (Purana)

- शाब्दिक अर्थ -प्राचीन आख्यान
- Literal meaning - ancient stories
- संकलनकर्त्ता -महर्षि लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा
- Compiler - Maharishi Lomaharsha or his son Ugrashrava
- पुराणों की संख्या -18
- Number of Puranas-18

- प्रमुख -वायु पुराण, मत्स्य पुराण, विष्णु पुराण, भागवत पुराण, मार्कण्डेय पुराण, आदि
- Major - Vayu Purana, Matsya Purana, Vishnu Purana, Bhagwat Purana, Markandeya Purana, etc.
- मत्स्य पुराण (अथवा वायु पुराण) सबसे प्राचीन है।
- Matsya Purana (or Vayu Purana) is the oldest.
- पुराण अपने वर्तमान रूप में संभवत: ईसा की तीसरी और चौथी शताब्दी में लिखे गए।
- The Puranas in their present form were probably written in the third and fourth centuries of Christ.